मध्य प्रदेश शासन
उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय

कमांक527 / 72 /सी.सी. /2018 भोपाल दिनांक 04.6.18

प्रति

कुलपति
समस्त विश्वविद्यालय
मध्य प्रदेश

विषयः—मा. राज्यपाल महोदया का उद्‌बोधन ।

—0—

उपरोक्त विषयान्तर्गत विश्वविद्यालय समन्वय समिति की 94 वीं बैठक दिनाक 10.5.2018 में माननीय राज्यपाल महोदया के उद्‌बोधन की छाया प्रति संलग्न कर आपकी और प्रेषित है ।

कृपया समन्वय समिति में मा. राज्यपाल महोदया के उदबोधन पर कार्यवाही कर की गई कार्यवाही का पालन प्रतिवेदन विभाग को भेजने हेतु अनुरोध हैं ।

संलग्नः— उपरोक्तानुसार

(डॉ0 अजय प्रकाश खरे)
विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
म0प्र0शासन, उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय,भोपाल

पृष्ठाकन कमांक 528 / 72 /सी.सी./38 भोपाल् दिनांक 04.6.18

प्रतिलिपिः—

1. विशेष सहायक माननीय मंत्रीजी उच्च शिक्षा म.प्र. ।
2. निज सहायक माननीय अपर मुख्य सचिव म. प्र.।
3. अपरसचिव मान. राज्यपाल राजभवन म. प्र. ।
4. कुल सचिव समस्त विश्वविद्यालय मध्य प्रदेश की ओर आवश्यक कार्रवाही हेतु प्रेषित हैं
5. वि.क.अ.उच्च शिक्षा विभाग (शाखा—3) की ओर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रस्तुत है।
6. प्रभारी आई.टी. सेल आयुक्त उच्च शिक्षा की और कृपया विभागीय बेवसाइट पर अपलोड करना चाहेगें ।

विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
म0प्र0शासन, उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय,भोपाल

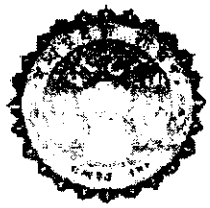

मध्यप्रदेश शासन

उच्च शिक्षा विभाग

विश्वविद्यालय समन्वय समिति की 94 वीं बैठक

कार्यवाही विवरण

राजभवन, भोपाल दिनांक 10.05.18

मा.राज्यपाल महोदया का उद्‌बोधन।

मा.राज्यपाल महोदया ने उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालयों की समस्याओं एवं प्रकरणों के निदान हेतु की गई कार्यवाही पर संतोष व्यक्त किया तथा वित्त विभाग से अपेक्षा कि वह विश्वविद्यालयों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रूख अपनाएंगे । विश्वविद्यालयों की अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए राज्यपाल महोदया द्वारा कुलपतिगणों से आग्रह किया गया कि आपकी संस्थाओं में प्रदेश के युवा अध्ययनरत है जो कि आगे चलकर प्रदेश व देश का निर्माण करेंगे ।

यह सच है कि विश्वविद्यालयों के संचालन में दिक्कते आती है लेकिन समस्याओं से घबड़ाना नहीं चाहिए और उनका डटकर मुकाबला करना चाहिए। हमारे सभी प्रयासों का केन्द्रबिन्दु विद्यार्थी का हित होना चाहिए, उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अध्यापकों को काफी अच्छा वेतन दिया जा रहा है और अध्यापकों से यह अपेक्षा है कि वह अपने दायित्वों का निर्वहन जिम्मेदारी से करें । विश्वविद्यालयों को जो भी धनराशि प्राप्त होती है उसका हिसाब–किताब अच्छे से करना चाहिए जिसमें न सिर्फ पारदर्शिता हो बल्कि दायित्वों का निर्धारण भी स्पष्ट हो।

मा.राज्यपाल महोदया द्वारा कुलपतिगणों को निर्देशित किया गया कि वह अपने विश्वविद्यालयों के संचालन एवं कार्यक्रमों पर ध्यान केन्द्रित करें । यदि उन्हें कहीं व्याख्यान देने या किसी अन्य कार्य से बाहर जाना हो तो वह आयोजक संस्था की पूरी जानकारी के साथ अपना अवकाश आवेदन राज्यपाल कार्यालय को भेजे अन्यथा कि स्थिति में उनका आवेदन स्वीकार करना कठिन होगा ।

मा. राज्यपाल महोदया ने प्रदेश को टीबी मुक्त राज्य बनाने के अभियान में सभी से सक्रिय सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस बीमारी से अधिकांशतः गरीब लोग पीड़ित है जिनको दवाईयां तो सरकारी अस्पताओं से मिल जाती है परन्तु समुचित खानपान की सुविधाओं के अभाव में टी बी से पीड़ित व्यक्ति इन दवाईयों से पूरी तरह लाभान्वित नहीं हो पाता है। हम सभी का यह दायित्व है कि हम लोग कम से कम एक टीबी रोग से ग्रस्त व्यक्ति को एडाप्ट करें एवं रोज न सही तो कम से कम सप्ताह में एकबार उससे चर्चा करके उसको सही समय पर दवाईयां लेने के लिए प्रेरित करें तथा उसके खानपान की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। मा.राज्यपाल महोदया ने अवगत कराया कि राजभवन द्वारा 5 लोगों का गोद लिया गया है। अभी टी बी मुक्त कार्यक्रम मध्यप्रदेश राज्य के 5–6 जिलों में संचालित है शीघ्र ही इसे सभी जिलों में जिला कलेक्टर के नेतृत्व में संचालित किया जाएगा।

इस कार्य में किसी भी प्रकार से शासकीय धन का उपयोग नहीं किया जाना है यह कार्य पूर्णतः स्वेच्छा, स्वप्रेरणा एवं परोपकार की भावना से करना है। ऐसा करने पर हम निश्चय ही एक वर्ष के भीतर प्रदेश को टी बी मुक्त राज्य बनाने में सफल होंगे।

मा.महोदया द्वारा आगामी जुलाई माह से प्रारंभ हो रहे शिक्षण सत्र का शुभारम्भ "प्रवेश उत्सव" से करने के निर्देश दिए, जिसमें नये प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों को प्राध्यापक, प्राचार्य एवं कुलपति आदि की उपस्थिति में वरिष्ठ विद्यार्थी नवागंतुक विद्यार्थियों का हृदय से स्वागत करें एवं उनका मार्गदर्शन भी करें। इसके साथ ही आगामी सत्र से उच्च शिक्षा विभाग में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग एवं छात्राओं से प्रवेश के समय लिया जाने वाला पंजीयन शुल्क समाप्त करने के निर्देश भी उन्होंने दिये। मा.महोदया द्वारा मा.प्रधान मंत्री जी के स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम में बढ़चढ़कर भाग लेने का आव्हान किया गया उन्होंने अनुरोध किया कि मई, जून व जुलाई के माह में प्रत्येक विद्यार्थी स्वच्छता कार्यक्रम के सबंध में 100 घंटे इंटर्नशिप के रूप में व्यतीत करें। इस कार्यक्रम में कविताओं, लेख, नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से जागरूकता फैलाने का कार्य इंटर्नशिप का ही हिस्सा माना जाएगा। इस संदर्भ में श्रेष्ठ आयोजित कार्यक्रमों की आनलाइन फोटो भी अपलोड किये जाने का भी आग्रह किया ।

मा.राज्यपाल महोदया द्वारा सही समय पर परीक्षा परिणाम घोषित करने तथा अधिकारियों एवं कुलपतिगणों को आगामी शिक्षण सत्र में बिना कोई व्यवधान/विवाद के प्रवेश प्रक्रिया संपादित करने हेतु निर्देशित किया गया।

बैठक के अंत में डॉ. संगीता शुक्ला, कुलपति, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वारा मा. राज्यपाल महोदया एवं अन्य सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ बैठक समाप्त हुई।

(बी.आर.नायडू)
अपर मुख्य सचिव
म0प्र0शासन उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय,